

निर्णय व इजाजत राजन विशाल आई.ए.एस. जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर
प्रकरण संख्या : 44/2010 (मुक्तकिल प्रार्थना पत्र)

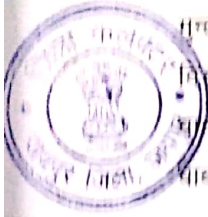
1. ईश्वर लाल पुत्र लल्लुराम बागडा जाति बागडा ब्राह्मण निवासी ग्वाला बाबा मन्दिर के पास,
ग्राम मंशासमपुरा, तहसील व जिला जयपुर।

प्रार्थी

बनाम

1. श्री शंकरा कुमार शीमा आर ए एस उपखण्ड अधिकारी, जयपुर प्रथम।
2. लल्लु राम बागडा पुत्र श्री म्यारसी लाल जाति बागडा ब्राह्मण निवासी ग्वाला बाबा मन्दिर के पास,
ग्राम मंशासमपुरा, तहसील व जिला जयपुर।
3. प्रेम देवी पत्नी श्री प्रमू नारायण जाति बागडा ब्राह्मण निवासी मंशासमपुरा, तहसील व जिला
जयपुर।
4. शान्ती देवी पत्नी बाबूलाल जाति बागडा ब्राह्मण निवासी मंशासमपुरा, तहसील व जिला जयपुर।
5. सुरज मल पुत्र कानाराण जाति बागडा ब्राह्मण निवासी मंशासमपुरा, तहसील व जिला जयपुर।
6. तहसीलदार बस्ती, जिला जयपुर।

अप्रार्थीगण



मुक्तकिल प्रार्थना पत्र बाबत उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम के समक्ष
विचाराधीन प्रकरण संख्या 44/2010 व उनवानी पप्पू व अन्य बनाम
शुभामो व अन्य को अन्यत्र सक्षम न्यायालय में मुक्तकिल किये जाने
बाबत।

संस्थित:-

1. श्री आर. एन. शर्मा अधिवक्ता प्रार्थी की ओर से।
2. श्री विजय कुमार शर्मा अधिवक्ता अप्रार्थी संख्या 3, 4, व 5 की ओर से।

निर्णय

दिनांक 23.06.2022

1. रक्षित में मुक्तकिल प्रार्थना पत्र के तथ्य इस प्रकार हैं कि उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम के
समक्ष प्रकरण संख्या 44/2010 व उनवानी पप्पू व अन्य बनाम बादागी व अन्य विचाराधीन है।
जिसमें पीतासीन अधिकारी से न्याय मिलने में शंका जाहिर कर उक्त प्रकरण को अन्यत्र सक्षम
न्यायालय में अन्तर्ण किये जाने का अनुरोध किया है।
2. प्रार्थना पत्र प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया गया। उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम से विन्दुवार
दिपण्ठी तलब की गई। अप्रार्थी संख्या 3, 4, व 5 की ओर से अधिवक्ता श्री विजय कुमार शर्मा ने
संस्थित होकर बकालतनामा पेश किया।
3. बहस समय पक्षा सुनी गई।

जिला कलक्टर
जयपुर

4. प्रार्थी अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुये कथन किया कि उक्त उनवानी प्रकरण में पप्पूलाल का स्वर्गवास दिनांक 27.12.2021 को हो चुका है। जिसके कायम मुकान पत्रावली में सम्मिलित किये जा चुके हैं। लेकिन पप्पूलाल के स्वर्गवास को छःमाह नहीं होने के कारण पप्पूलाल की विवाहित पत्नी सामाजिक रीति रिवाज के अनुसार घर से बाहर नहीं निकल रही है एवं बच्चे भी अपरिपक्व अवस्था में हैं। दिनांक 24.04.2022 एवं 25.04.2022 को अप्रार्थी का लडका धन्ना लाल पुत्र श्री सूरजमल जाति बागडा ब्राह्मण निवासी गलारियों की ढाणी ग्राम मंशारामपुरा तहसील व जिला जयपुर, उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम के कक्ष में बैठा हुआ था। जब प्रार्थी उपखण्ड अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित हुआ तो देख कर अचम्भित हुआ कि उपखण्ड अधिकारी एवं धन्ना लाल शर्मा हंस-हंस कर बातें कर रहे थे जिससे प्रार्थी को उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा की जा रही कार्यवाही पर सन्देह उत्पन्न हुआ एवं उपखण्ड अधिकारी द्वारा यह कहा जा रहा था कि पत्रावली को आपके पक्ष में निर्णित कर दिया जायेगा। प्रार्थी वादी को उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम के पीठासीन अधिकारी से न्याय की उम्मीद नहीं है। न्यायालय उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम उक्त प्रकरण में अप्रार्थी के पुत्र धन्ना लाल शर्मा से मिल चुके हैं एवं क्षेत्राधिकार के बाहर जाकर कार्य कर रहे हैं जिससे प्रार्थी को उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम पर विश्वास नहीं रहा है। इसलिए प्रकरण को अन्य सक्षम न्यायालय में वास्ते सुनवाई अन्तर्गत किया जाना न्यायहित में आवश्यक है। अतः उक्त उनवानी प्रकरण को अन्य सक्षम न्यायालय में मुन्तकिल किये जाने का आदेश फरमावें।
5. अप्रार्थी अधिवक्ता ने उक्त तर्कों का खण्डन करते हुये दलील प्रस्तुत की कि उक्त प्रकरण वर्ष 20100 से लम्बित है। प्रकरण में उभय पक्ष की बहस दिनांक 25.04.2022 को सुनी जा चुकी है और पत्रावली दिनांक 06.05.2022 को वास्ते आदेश नियत थी। तभी प्रार्थी ने दिनांक 27.04.2022 को प्रकरण के निस्तारण में विलम्ब किये जाने की मन्शा से झूठे एवं मनगढ़न्त आरोप लगाते हुये दिनांक 27.04.2022 को यह मुन्तकिल प्रार्थना पत्र पेश किया है, जिसे खारिज फरमावें।
6. उभय पक्ष के सुयोग्य अधिवक्ता को गौर से सुना गया। पत्रावली का भलीभांति अवलोकन किया गया।
7. उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम ने अपनी टिप्पणी में प्रार्थी द्वारा मुन्तकिल प्रार्थना पत्र में लगाये गये आरोपों का खण्डन किया है। उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम के समक्ष यह प्रकरण वर्ष 2010 से लम्बित चल रहा है। प्रकरण में उभय पक्ष की बहस हो जाने के पश्चात आदेश पारित किये जाने से पूर्व ही यह मुन्तकिल प्रार्थना पत्र पेश किया गया है। प्रार्थी द्वारा आरोपों की पुष्टि में कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। प्रार्थी ने केवल कयास के आधार पर यह मुन्तकिल प्रार्थना पत्र पेश किया है जो सही नहीं है। इस सम्बन्ध में न्यायिक दृष्टान्त मोहन सिंह बनाम दलपत सिंह 1984 RRD 501, राधेलाल बनाम बसन्ती लाल 1986 RRD-18 एवं मुरलीधर बनाम रामस्वरूप 1980 RRD (NSU) 61 में भी यह माना गया है कि मात्र कयास के आधार पर प्रकरण को मुन्तकिल किया जाना न्यायोचित नहीं है।
8. उभय पक्ष को गौर से सुनने एवं उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम से प्राप्त टिप्पणी का अवलोकन करने पर यह परिलक्षित होता है कि दौराने सुनवाई पीठासीन अधिकारी द्वारा प्रकरण में ऐसी कोई कार्यवाही किया जाना नहीं पाया गया है, जिससे प्रकरण को अन्यत्र न्यायालय में मुन्तकिल किया

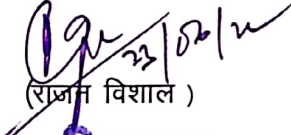

जिला कलक्टर
जयपुर

जावे। प्रार्थीगण द्वारा मुन्तकिल प्रार्थना पत्र में लगाये गये आरोपों की पुष्टि नहीं होती है।
फलस्वरूप मुन्तकिल प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है।

9. निर्णय की प्रति पालनार्थ हस्ब कायदा न्यायालय उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम को प्रेषित हो।
पत्रावली नम्बर से कम हो कर शुमार फ़ैसल हो।



10. निर्णय आज दिनांक 23.06.2022 को सरे इजलास सुनाया गया।


(राजम विशाल)
जिला कलेक्टर
जयपुर